Naidunia (Indore), 28th June 2026, Page – 01 & contd. Naidunia City - I

आइआइटी इंदौर के 11 विद्यार्थियों को एक-एक करोड़ का जाब आफर

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: वैश्विक आर्थिक मंदी के दौर में भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के विद्यार्थियों का बेहतर प्रदर्शन रहा है। शनिवार को दीक्षा समारोह में निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार बीटेक पाठ्यक्रम के 93 फीसद से अधिक विद्यार्थियों को नौकरी मिली है। सालभर चले कैंपस प्लेसमेंट में 270 विद्यार्थियों को जाब आफर हुए हैं। जबकि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को भी 108 आफर मिले हैं। पहली बार संस्थान के 11 छात्रों को सालाना एक-एक करोड़ रुपये से अधिक का पैकेज मिला है। वहीं औसतन पैकेज में भी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें 40 फीसद विद्यार्थियों को 50-52 लाख रुपये सालाना का पैकेज रहा है। >> नईदुनिया सिटी भी पढ़ें

आइआइटी इंदौर का लक्ष्य

रिसर्च, इनोवेशन और आत्मनिर्भर भारत के लिए नई तकनीक विकसित करना

14वां दीक्षा समारोह 16 स्वर्ण-रजत पदक से सम्मानित हुए विद्यार्थी, 111 शोधार्थियों को दी उपाधि

दीक्षा समारोह में उपस्थित अतिथि और संस्थान के पदाधिकारी। ●नईदुनिया

आइआइटी इंदौर के दीक्षा समारोह में उपस्थित विद्यार्थी और शिक्षक। ●नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम बनने लगा है। पहले जहां 2014 में कुछ 250-300 स्टार्टअप हुआ करते थे वहीं आज इनकी संख्या दो लाख तक पहुंच गई है। इससे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि 20 हजार स्टार्टअप रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर कई कंपनियों के प्रोजेक्ट अगले तीन से चार साल में खत्म होंगे।

यह बात मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव प्रो. अभय कारंदीकर ने कही। शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में 14वां दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। इसमें उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 111 पीएचडी शोधार्थी, 356 बीटेक, 146 एमटेक (जिनमें हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी के 19 विद्यार्थी शामिल हैं), 23 एमएस (रिसर्च), 102 एमएससी तथा एमएसडीएसएम कार्यक्रम के 69 विद्यार्थी सम्मिलित रहे। उन्होंने कहा कि डीप टेक स्टार्टअप को लंबे समय तक निवेश और समर्थन की जरूरत होती है, क्योंकि इनसे जुड़ी तकनीक विकसित होने में कई साल लगते हैं। इसके लिए सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर नए अवसर तैयार कर रहे हैं। विभिन्न श्रेणियों में सात स्वर्ण पदक, आठ रजत पदक तथा स्नातक स्तर पर शोध और नवाचार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार प्रदान किए।

स्पेस टेक्नोलाजी की दिशा में शोध : निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों का अधिक फोकस शोध व नवाचार की दिशा में काम करने पर बना है। इन दिनों संस्थान हाईब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी तथा डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलाजी से जुड़े कई प्रोजेक्ट पर शोध करने में लगा है। वे बताते हैं कि अगले सत्र से तीन नए बीटेक और आधुनिक क्षेत्रों में पीएचडी प्रोग्राम शुरू किए जा रहे हैं। इनमें बायोइंजीनियरिंग एंड डाटा साइंस, एन्वायरमेंटल इकोनामी एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग और एप्लाइड केमेस्ट्री विषय में स्नातक पाठ्यक्रम रखे गए हैं। नए प्रोग्रामों में कई करियर विकल्प देने पर जोर दिया।

नई दिशा की ओर बढ़ता भारत : संस्थान के बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन डा. के. सिवन ने कहा कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए केवल शोध करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उस शोध को उपयोगी तकनीक, उत्पाद और समाज के समाधान में बदलना जरूरी है। रिसर्च का वास्तविक महत्व तभी है जब उसका लाभ उद्योग, समाज और देश को मिले।

स्वर्ण पदक विजेता

- **राष्ट्रपति स्वर्ण पदक :** मदन पी. बीटेक (कंप्यूटर साइंस)
- **बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक :** ग्लैडिस जे. एमएससी (रसायन विज्ञान)
- **वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक :** हरप्रिया मिन्हास पीएचडी (रसायन विज्ञान)
- **संस्थान सर्वांगीण स्वर्ण पदक एवं अगम प्रसाद स्मृति स्वर्ण पदक :** अर्पित कुमार सिंह पीएचडी (मैकेनिकल)
- **श्री गण्टि सुब्बा राव एवं श्रीमती गण्टि वेंकट रमाणी पुरस्कार :** सौरभ मिश्रा पीएचडी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग)
- **अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक :** नबास्मिता फुकन पीएचडी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)

रजत पदक विजेता

- एडुला चार्मी रेड्डी, बीटेक (सिविल)
- अविरल शर्मा, बीटेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)
- कुमार अनमोल, बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
- हृषिकेश जवाले, बीटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग)
- ध्रुव जैन, बीटेक (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एवं मैटेरियल्स साइंस)
- शिक्षा सिंह, एमटेक (सिविल)
- स्मिता कराती, एमएससी (मेहता फैमिली स्कूल आफ बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग)
- हत्विक गुप्ता, एमएस इन डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट

एआइ में करुंगा काम

बीटेक छात्र मदन पी. ने कहा कि कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी हो चुकी है। अब कुछ वर्षों तक इंडस्ट्री का अनुभव लिया जाएगा। फिर एआइ की दिशा में कार्य करुंगा ताकि मनुष्यों का काम आसान होगा।

रिसर्च में रुचि

अर्पित कुमार सिंह का कहना है कि पीएचडी करने के बाद अब मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र में रिसर्च की जाएगी, क्योंकि इसमें शोध के लिए काफी संभावनाएं हैं। वर्तमान में इस क्षेत्र में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

काफी कुछ सीखा

नबास्मिता फुकन का कहना है कि पीएचडी करने के दौरान संस्थान में काफी कुछ सीखने को मिला है। अब इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की दिशा में शोध पर ध्यान दिया जाएगा। इसमें अनुभव का फायदा मिलेगा।

100 शोधार्थी करेंगे रिसर्च

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने बताया कि अगले पांच वर्षों में करीब 100 पीएचडी शोधार्थी को जोड़कर एक बड़ा रिसर्च प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य संस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक शोध और नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देना है। वे बताते हैं कि यह प्रोग्राम संस्थान के सबसे बड़े रिसर्च प्रयासों में से एक होगा, जिससे नई खोजों व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च को मजबूती मिलेगी। इसके लिए नैट्रक्स के साथ मिलकर ईएमआइ और ईएमसी टेस्टिंग सुविधा विकसित करने की योजना भी बनाई है। यह सुविधा उद्योगों में बनने वाले उत्पादों और तकनीकी सिस्टम की गुणवत्ता जांच में मदद करेगी। इसमें उद्योग, अकादमिक संस्थान और सरकारी एजेंसियां मिलकर काम करेंगी।

रिसर्च लैब्स का शुभारंभ

समारोह के पहले आइआइटी इंदौर में एएनआरएफ-पेयर सक्षम परियोजना के तहत स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान लैब्स का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य उन्नत तकनीक, स्वास्थ्य, आधुनिक निर्माण और नवाचार के क्षेत्र में रिसर्च को नई गति देना है। उद्घाटन नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर और इसरो के पूर्व अध्यक्ष डा. के. शिवन ने किया। निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि इस सुविधा से उन्नत पदार्थ, स्वास्थ्य तकनीक, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में नई खोजों को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान उन्नत निर्माण क्षेत्र में सेलेक्टिव लेजर मेल्टिंग और अन्य आधुनिक उपकरणों की जानकारी दी गई। वहीं, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा तकनीक लैब में आरटी-पीसीआर जैसे उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

Contd. Naidunia City -